पाठ- ३

साखी

STUDY NOTES

MIND MAP

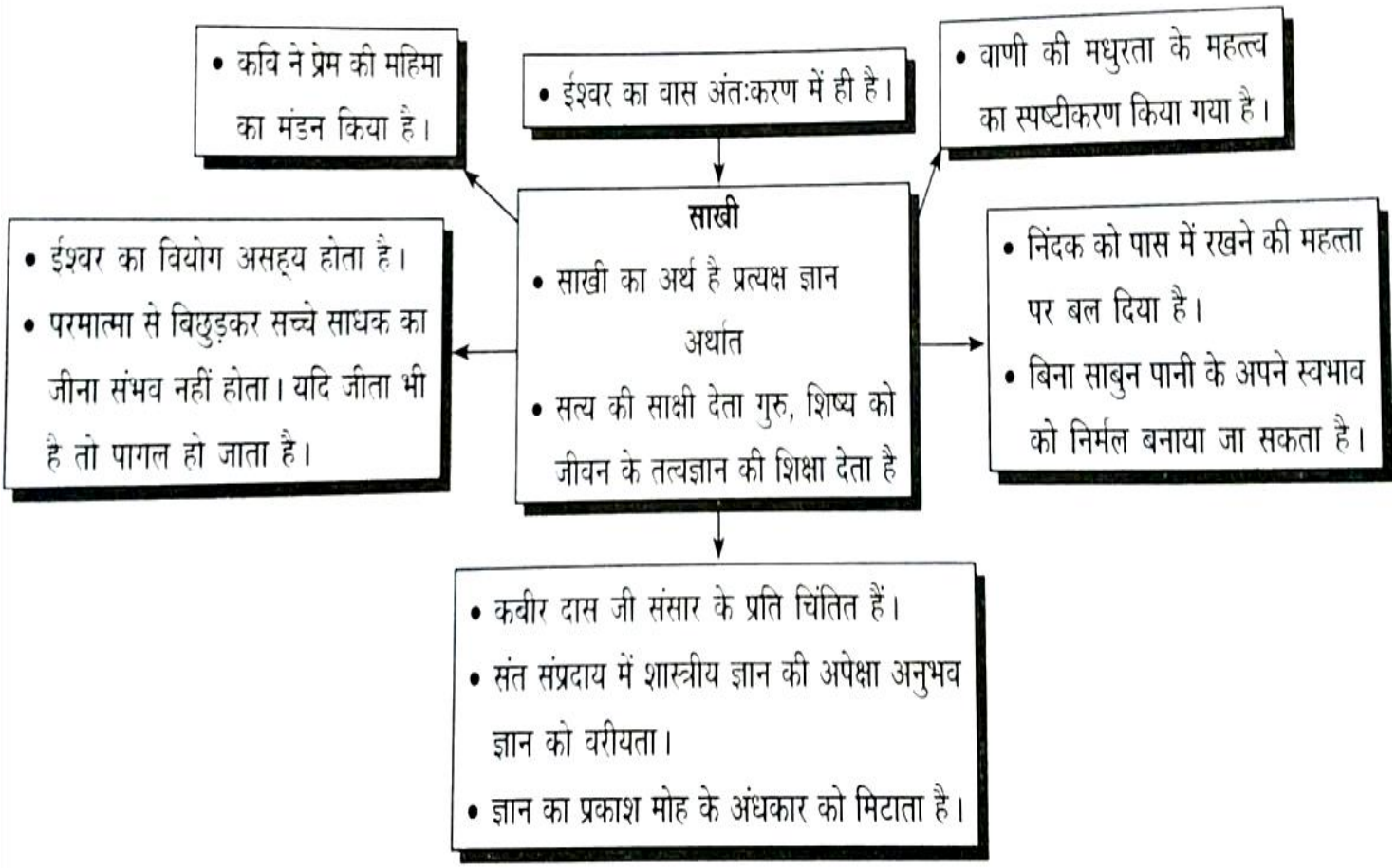

पाठ- ३

साखी

STUDY NOTES

पाठ प्रवेश-

यह प्रत्यक्ष ज्ञान गुरु द्वारा शिष्य को प्रदान किया जाता है। संत (सज्जन) सम्प्रदाय (समाज) मैं अनुभव ज्ञान (व्यवाहरिक ज्ञान) का ही महत्व है -शास्त्रीय ज्ञान अर्थात वेद , पुराण इत्यादि का नहीं। कबीर का अनुभव क्षेत्र बहुत अधिक फैला हुआ था अर्थात कबीर जगह - जगह घूम कर प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करते थे।

संबंधित प्रश्न -

□. प्रत्यक्ष ज्ञान कौन किसे प्रदान करता है?

□. समाज में किस ज्ञान का महत्व है?

□. कबीर ने प्रत्यक्ष ज्ञान की प्राप्ति कहाँ से की ?

१. सामान्य उद्देश्य : साखी प्रमाण है कि सत्य का प्रत्यक्ष ज्ञान देता हुआ ही गुरु - शिष्य को जीवन के तत्व ज्ञान की शिक्षा देता है ।

२. विशिष्ट उद्देश्य : मधुर वचन , प्रेम का महत्व के बारे में विशेष रूप से उजागर करने से समाज का हित साधन होगा ।

पाठ का सार

इस साखी के कवि कबीरदास जी हैं। ... इसमें कबीर मोह - माया रूपी घर को जला कर अर्थात त्याग कर ज्ञान को प्राप्त करने की बात करते हैं। व्याख्या -: कबीर जी कहते हैं कि उन्होंने अपने हाथों से अपना घर जला दिया है अर्थात उन्होंने मोह -माया रूपी घर को जला कर ज्ञान प्राप्त कर लिया है।